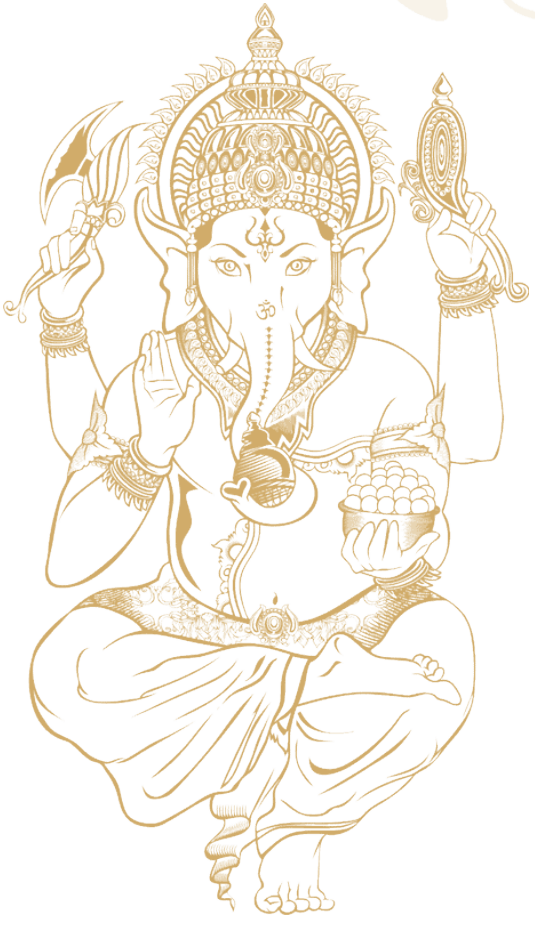

Mr.Riyansh raj

14 Mar 2020

11:33 PM

Katihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121071806

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/03/2020**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**23:33:00 घंटे**
इष्ट	44:17:21 घटी
स्थान	**Katihar**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:33:00 उत्तर
रेखांश	87:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:53:16 घंटे
वेलान्तर	-00:09:06 घंटे
साम्पातिक काल	11:24:32 घंटे
सूर्योदय	05:50:03 घंटे
सूर्यास्त	17:48:03 घंटे
दिनमान	11:58:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	00:29:03 मीन
लग्न के अंश	17:18:38 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	वज्र
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नी-नीरज
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	17:18:38	314:44:27	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
सूर्य			मीन	00:29:03	00:59:47	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	09:52:32	13:53:04	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	नीच राशि
मंगल			धनु	24:42:09	00:41:38	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध			कुंभ	05:05:56	00:25:37	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	सम राशि
गुरु			धनु	27:47:23	00:09:40	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			मेष	16:12:36	01:03:04	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	सम राशि
शनि			मक	05:16:38	00:05:01	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	स्वराशि
राहु	व		मिथु	10:31:37	00:02:10	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	10:31:37	00:02:10	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	उच्च राशि
हर्ष			मेष	10:09:11	00:02:50	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	---
नेप			कुंभ	24:29:49	00:02:16	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो			मक	00:25:56	00:01:11	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
दशम भाव			सिंह	26:12:39	--	पू०फाल्गुनी	--	11	सूर्य	शुक्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:04

लग्न-चलित

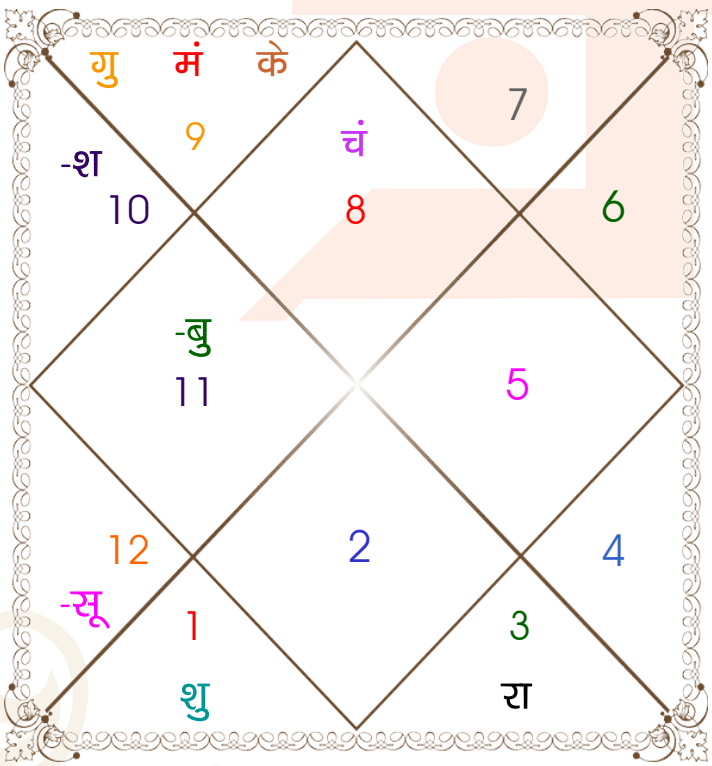

चन्द्र कुंडली

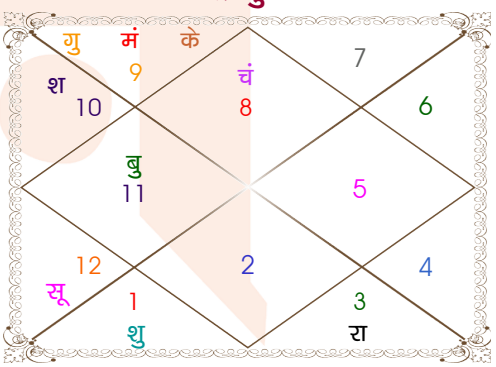

नवमांश कुंडली

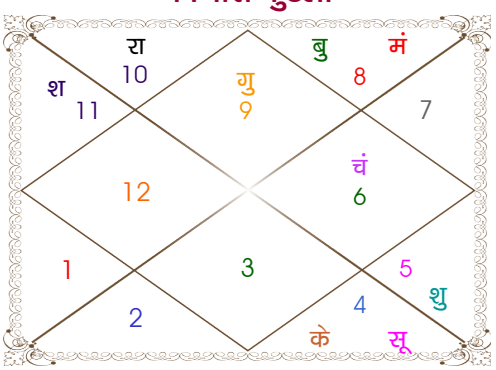

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 9 वर्ष 8 मास 3 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
14/03/2020		17/11/2029		17/11/2046		17/11/2053		17/11/2073	
17/11/2029		17/11/2046		17/11/2053		17/11/2073		18/11/2079	
	00/00/0000	बुध	15/04/2032	केतु	16/04/2047	शुक्र	19/03/2057	सूर्य	07/03/2074
	00/00/0000	केतु	12/04/2033	शुक्र	15/06/2048	सूर्य	19/03/2058	चंद्र	05/09/2074
	14/03/2020	शुक्र	11/02/2036	सूर्य	20/10/2048	चंद्र	18/11/2059	मंगल	11/01/2075
शुक्र	08/11/2020	सूर्य	17/12/2036	चंद्र	22/05/2049	मंगल	17/01/2061	राहु	06/12/2075
सूर्य	21/10/2021	चंद्र	19/05/2038	मंगल	18/10/2049	राहु	18/01/2064	गुरु	23/09/2076
चंद्र	22/05/2023	मंगल	16/05/2039	राहु	05/11/2050	गुरु	18/09/2066	शनि	05/09/2077
मंगल	30/06/2024	राहु	02/12/2041	गुरु	12/10/2051	शनि	17/11/2069	बुध	13/07/2078
राहु	07/05/2027	गुरु	09/03/2044	शनि	20/11/2052	बुध	17/09/2072	केतु	17/11/2078
गुरु	17/11/2029	शनि	17/11/2046	बुध	17/11/2053	केतु	17/11/2073	शुक्र	18/11/2079

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
18/11/2079		17/11/2089		17/11/2096		18/11/2114		18/11/2130	
17/11/2089		17/11/2096		18/11/2114		18/11/2130		00/00/0000	
चंद्र	17/09/2080	मंगल	15/04/2090	राहु	31/07/2099	गुरु	06/01/2117	शनि	21/11/2133
मंगल	18/04/2081	राहु	04/05/2091	गुरु	25/12/2101	शनि	20/07/2119	बुध	31/07/2136
राहु	18/10/2082	गुरु	09/04/2092	शनि	31/10/2104	बुध	25/10/2121	केतु	09/09/2137
गुरु	17/02/2084	शनि	19/05/2093	बुध	20/05/2107	केतु	01/10/2122	शुक्र	15/03/2140
शनि	17/09/2085	बुध	16/05/2094	केतु	07/06/2108	शुक्र	01/06/2125		00/00/0000
बुध	17/02/2087	केतु	12/10/2094	शुक्र	07/06/2111	सूर्य	20/03/2126		00/00/0000
केतु	18/09/2087	शुक्र	12/12/2095	सूर्य	01/05/2112	चंद्र	20/07/2127		00/00/0000
शुक्र	19/05/2089	सूर्य	18/04/2096	चंद्र	31/10/2113	मंगल	25/06/2128		00/00/0000
सूर्य	17/11/2089	चंद्र	17/11/2096	मंगल	18/11/2114	राहु	18/11/2130		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 9 वर्ष 9 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय संरूपण आकृति से यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म जयेष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। वृश्चिक लग्नोदय काल धनु राशि का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका जन्म कालिक प्रभाव यह सूचित कर रहा है कि आप अपना विचार तो किसी अन्य कार्य के सम्बन्ध में रखते हैं, परंतु आप उद्देश्य के विपरीत कार्य सम्पादन करते हैं। आपके जीवन का लक्ष्य है कि आप पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर लें ताकि अपना आनन्दमय जीवन सुखपूर्वक बिता सके।

आपके बाहरी भाव से ऐसा परिदृश्य हो रहा है कि आप उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप वार्ताक्रम में यह आश्वस्त कर देते हैं कि वस्तुतः क्या ठीक अथवा क्या गलत हैं। आपका आचरण धार्मिक है तथा आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्राणी हैं। परन्तु आपकी आन्तरिक भावना यह है कि आप विपरीत बातों के प्रति अपना धार्मिक उपदेश प्रदान करें। वास्तव में आपका झुकाव धन प्राप्ति की ओर रहती हैं। आपके मन में धन प्राप्ति के प्रति प्रबल उत्कंठा रहती हैं कि अपने जीवन का सम्पूर्ण आनन्द प्राप्त करें।

आप किसी भी प्रकार की अभद्रता पूर्ण कार्य-कलाप को त्यागने के लिए सक्षम हैं। आप पूर्ण शिक्षित, कुशाग्रबुद्धि के चालाक व्यक्ति हैं। आपमें यह विशेषता विद्यमान है कि आप जनसामान्य को अपनी ओर आकृष्ट कर लेते हैं। क्योंकि आपमें भाषा के प्रति अभिरूचि रहती है। आप काव्य-कला और सामान्य भाषा के ज्ञाता है। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल प्रेस, प्रकाशन, विज्ञापन, प्रचार, पुस्तकों का प्रकाशन तथा वाद्य यंत्र का निर्माण कार्य उपयुक्त है। यदि आपकी अभिरूचि हो तो आप अभियंत्रिकी कार्य भी सम्पादन कर सकते हैं।

आपको अच्छी प्रकार से यथेष्ठ धन प्राप्ति के सभी सुन्दर सुअवसर प्राप्त होंगे। परन्तु आप बहुतायत में धन का व्यय भी करेंगे। आप चाहते है कि जनसामान्य के दृष्टिकोण में प्रभावशाली दृश्य हों तथा मूल्यवान साज शय्याओं से युक्त घर सुसज्जित दिखें तथा आधुनिक सौन्दर्य से युक्त हो।

आप प्रेम प्रसंग में भी कुछ उपयुक्त हो सकते हैं। आप अपने जीवन संगिनी के प्रति श्रद्धा रखते हुए अत्यधिक द्रवित हो जाते हो। परन्तु यदि वह अस्वस्थ्यता प्रदर्शित करती है तो आप इसे भाग्य की विडम्बना समझकर अन्य स्त्री के साथ सम्बन्ध स्थापित करने को उद्यत हो जाते हो तथा इसे दुखद अनुभव करते हो तथा इसे संभावित घटना समझकर परित्याग करते हो। आप अपनी जीवन संगिनी के चयन के पूर्व आप अपने घरेलू कार्य-क्रम को विधिवत सम्पादित करते रहेंगे। आप अपने उत्तम जीवन-संगिनी के चयन एवं उत्तम तारतम्यता हेतु उस स्त्री का चयन करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, वृष, कन्या अथवा मकर राशि में हुआ हो।

आपका वासनात्मक उन्माद आपके स्वास्थ्य को समस्याग्रस्त बना सकता है। जिससे आपका गुप्तांग प्रभावित हो जायगा। अतः रोमांचकारी सीमा पर सावधानी पूर्वक चलें। इसके अतिरिक्त अन्य रोग यथा बवासीर एवं ट्यूमर रोग से भी आपका स्वास्थ्य अद्योगति को प्राप्त कर सकता है। अतः आपके लिए उचित मार्ग यह है कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण

सतर्क रहें, अन्यथा आपके जीवन के 13 वें 27 वें एवं 49 वें वर्ष में गंभीर स्वास्थ्य बाधा उपस्थित हो जाएगी। यदि आप सुनियोजित ढंग से समुचित सतर्कता बरतें तो उपरोक्त रोगों से सुरक्षित रह सकते हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, नारंगी, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु आप सफेद, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक अनुकूल एवं ग्राह्य है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक अव्यवहारणीय है।

असाप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।